एक नजर में

यूथ होस्टल एसोसिएशन की सभा संपन्न

उज्जैन। यूथ होस्टल एसोसिएशन उज्जैन युनिट की वार्षिक साधारण सभा, वाकणकर कला संस्थान मे सम्पन्न हुई। जानकारी देते हुवे संस्था के मीडिया प्रमुख जयंत तेलंग ने बताया की संस्था के अध्यक्ष गोपाल महाकाल एवं सचिव निर्दोष निर्भय ने दीप प्रज्वलन कर पद्मश्री वाकणकर की प्रतिमा को माल्यार्पण कर सभा की शुरुआत की। पिछले वर्ष के सभी कार्यक्रमों का विवरण पढ़कर सभा को सुनाया गया, अगले वर्ष के कार्यक्रमों की योजना बनाई गयी। कुल्लू कैम्प में 42 दिनों तक अपनी सेवा देने वाली सदस्य नीता कुकड़े का स्वागत किया गया। साथ ही एवरेस्ट तक ट्रेकिंग करने वाले अशोक सिसोदिया एवं राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक एवं एक रजत पदक जीत कर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले दिलीप जोशी का भी सम्मान किया गया। इसी प्रकार पहाड़ों पर ट्रेकिंग के दौरान अपनी सेवाएं देने वाले पूजा चौहान, अशोक वर्मा एवं दिलीप चौहान का भी सम्मान किया गया। संस्था के कोषाध्यक्ष मिलन गुप्ता ने गत वर्ष का लेखाजोखा प्रस्तुत किया। जिसे साधारण सभा ने मान्य किया। सभा में संस्था के पदाधिकारी शशिकांत वीरकर, चंद्रशेखर केलकर, अमिताभ पंडित, कविता पंडित, जयंत तेलंग इत्यादी उपस्थित थे। संचालन एवं आभार प्रदर्शन निर्दोष निर्भय ने किया।

स्व. रूखमणी देवी की स्मृति में पौधारोपण

उज्जैन। बाबीसा ब्राह्मण समाज की समाजसेवी स्व. श्रीमती रूखमणी देवी जोशी की स्मृति में महिला रामायण मंडल ने हरयाली तीज पर एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत अर्पिता कालोनी स्थित द्वारका माई मन्दिर में पीपल अन्य प्रजाति के औषधीय गुणों वाले पौधों का रोपण किया गया। श्रीमती जोशी के द्वारा किये गए कार्य को याद कर श्रद्धांजलि दी गई। इस आयोजन में वन्दना पांडे, चन्द्रकान्ता जोशी, शालिनी पुराणिक, छाया दुबे, रंजना शर्मा, राजश्री व्यास, हेमा शर्मा, किरण मुंशी, आशिमा पुराणिक, कांता पांडे, शानू व्यास, निशा मुंशी, निधि जैन आदि समाज की महिलाएं उपस्थित रही।

बाल सम्प्रेक्षण गृह में किया पौधारोपण

उज्जैन। बाल सम्प्रेक्षण गृह उज्जैन के अधीक्षक मेहताब सिंह परास्ते, किशोर न्याय बोर्ड उज्जैन के सदस्य विजयेन्द्र सिंह अरोण्या के विशेष आमंत्रण पर पत्रकार भूपेन्द्र भूतड़ा ने देवास रोड स्थित मालववासा परिसर में पौधरोपण किया। उपरांत परिसर में मौजूदा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर समाजसेवी सत्यनारायण एवं स्टाफ गण मौजूद था।

सिन्धी जाति नहीं भाषा है, हमारी 190 जातियां

उज्जैन। सिन्धी जाति नहीं भाषा है, हमारी 190 जातियां है। जानकारी के अभाव में हम सरकारी रेकार्ड में जाति के कॉलम में सिन्धी लिखवाते थे। इस कारण सरकारी योजनाओं का हम लाभ नहीं ले पाते, सिन्धी विश्व की वह कौम है जिसके दिमाग का लोहा हर कोई मानता है। आवश्यकता है जागरूकता और अपनी भाषा पर गर्व करने का। ये उद्गार सिन्धू प्रवाह अकादमी द्वारा राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नईदिल्ली एवं सिन्धू जागृत समाज के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम हा मां सिन्धी आह्वां के अंतर्गत सिंधी समाज की वर्तमान स्थिति- भाषा, शिक्षा और संस्कार के संदर्भ में सामाजिक संस्थाओं की जवाबदारी विषय पर आयोजित सिन्धी संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे मनोहर ममतानी म.प्र. मानवाधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व रजिस्ट्रार जनरल मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के थे। संगोष्ठी के संयोजक गोपाल बलवानी ने बताया कि इस मौके पर अन्य अतिथि विद्वानों के रूप में ईश्वर झामनानी वरिष्ठ समाजसेवी इंदौर, मनोज राजानी पूर्व अध्यक्ष देवास विकास प्राधिकरण, रूप पमनानी वरिष्ठ भाजपा नेता, दौलत खेमचंदानी संरक्षण सिन्धू जागृत समाज आमंत्रित थे। जिन्होंने समाज की वर्तमान स्थिति एवं ज्वलंत मुद्दों पर अपना वक्तव्य दिया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. सुनील खत्री, कार्यक्रम के रूपरेखा अकादमी के अध्यक्ष कुमार किशन ने प्रस्तुत की। आभार गोपाल बलवानी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रमेश गजरानी ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षा विद धिमनदास लखानी, वरिष्ठ नृत्यगुरु डॉ. पल्लवी किशन, डॉ. मीना वाधवानी, राजकुमार परसवानी, विजय भागचंदानी, रोहित सामदानी, सिद्धार्थ भागचंदानी, एन. डी. लखानी, अंजु भाटिया एवं अन्य गणमान्य समाजजन उपस्थित थे।

31 को जिला पंचायत सभा कक्ष में कार्यशाला

उज्जैन। राज्य महिला आयोग द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के विरुद्ध दुर्व्यवहार रोकथाम समितियों की जिला स्तरीय कार्यशाला गुरुवार 31 जुलाई को जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित की जाएगी। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सभी शासकीय, अर्द्ध शासकीय एवं ऐसे संस्थाओं के निजी कार्यालय को जहां 10 या अधिक कर्मी नियोजित हैं उनकी आंतरिक समितियों के अध्यक्ष सदस्य को जिला पंचायत सभा कक्ष में 31 जुलाई को प्रात: 11.45 पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सभी कार्यालयों में महिलाओं के विरुद्ध दुर्व्यवहार रोकथाम हेतु आंतरिक समितियों का गठन किया गया है। जो कार्यालय में प्राप्त शिकायतों के निराकरण के लिए उत्तरदाई है तथा जिला पंचायत सीईओ की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्थानीय समिति का गठन भी प्राप्त प्रकरणों के निराकरण हेतु किया गया है।

24 घण्टे में जिले में औसत 18.7 मिमी वर्षा दर्ज

उज्जैन। कलेक्टर कार्यालय भू अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में उज्जैन जिले में औसत 18.7 मि.मी वर्षा दर्ज की गई है। इसमें तहसील उज्जैन में 16.0, घट्टिया में 9.0, खाचरौद में 13.0, नागदा में 18.0, बड़नगर में 6.0, महिदपुर में 20.0, झारडा में 32.0, तराना में 25.0, माकडोन में 29.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 1 जून 2025 से लेकर आज दिनांक तक जिले में औसत 334.9 मि.मी वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इस अवधि में 342.6 मि.मी वर्षा दर्ज की गई थी।

रात 12 बजे खुले नागचंद्रेश्वर भगवान के पट, भक्तों को मात्र 40 मिनट में दर्शन होंगे झटपट

बाबा महाकाल की तीसरी सवारी में उमड़ा जन सैलाब, महाकाल के जयकारों से गुंजायमान हुई अवंतिका नगरी

प्रशासनिक अधिकारियों ने बनाया ट्रैफिक प्लान

अपने वाहन निर्धारित स्थानों पर ही करें पार्क

उज्जैन। सावन के तीसरे सोमवार को भूत भावन बाबा महाकाल की जहां पालकी निकली। वहीं रात 12 बजे भगवान नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट भी खोले गए। सोमवार को जब महाकाल नगर भ्रमण पर निकले तो मार्ग के दोनों छोर पर श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए। वहीं रात 12 बजे भगवान नाग चन्द्रेश्वर के पट खोले गए, विधि विधान से पूजा की गई। महानिर्वाणी अखाड़े के महंत विनीत गिरी महाराज ने सर्वप्रथम पूजन किया। अधिकारियों ने दावा किया है की कतारबद्ध आम श्रद्धालुओं को मात्रा 40 मिनट में दर्शन होंगे।

देश विदेश से लाखों श्रद्धालु नागचंद्रेश्वर भगवान के साथ ही महाकाल दर्शन के लिए आज आएंगे, वहीं स्थानीय दर्शनार्थी भी महाकाल मंदिर पहुंचेंगे, ऐसे में जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन ट्रैफिक पुलिस ने पृथक से पार्किंग की व्यवस्था व रूट वयवस्था की है, ऐसे में कहां से आना है कहां जाना है कहां वाहन पार्क करना है इसकी जानकारी लेने के बाद ही दर्शन करने पहुंचे।

बाबा महाकाल की सवारी में आस्था का सैलाब उमड़ा, मार्ग के दोनों छोर पर श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के जयकारे लगाए। पुष्प हाथ में लेकर घंटों तक भगवान की एक झलक देखने के लिए दर्शनार्थी खड़े रहे। महाकाल भगवान चंद्रमौलेवर के स्वरूप में पालकी में आरूढ़ हुए, वहीं मनमहेश के रूप में हाथी पर सवार हुए। शिव तांडव रूप में गरुड़ रथ पर आरूढ़ रहे।

बाबा महाकाल मंदिर के ऊपरी हिस्से में नागचन्द्रेश्वर भगवान का मंदिर है, जो वर्ष में एक बार खोले जाने की परंपरा है रात 12 बजे भगवान नागचंद्रेश्वर के पट खोले गए और परंपरा अनुसार महानिर्वाणी अखाड़े के महंत विनीत गिरी महाराज ने सर्वप्रथम पूजन किया। इसके पश्चात जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा पूजन किया गया और तत्काल आम श्रद्धालुओं के दर्शन प्रारंभ कर दिए गए। सोमवार मंगलवार की दरमियानी रात 12 बजे मंदिर के पट खोल दिए गए। 24 घण्टे पश्चात रात 12 बजे मंदिर में फिर आरती होगी और मंदिर के पट पुनः बंद कर दिए जाएंगे।

नागचंद्रेश्वर मंदिर की पूजा और व्यवस्था महानिर्वाणी अखाड़े के संन्यासियों द्वारा की जाती है।

सभा मंडप में पूजन

अपराह्न 3.20 बजे बाबा महाकाल की पालकी सभा मंडप में आई अतिथियों जनप्रतिनिधियों महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक से लेकर जिला कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा और सभी अधिकारियों ने पूजन किया। उसके बाद बाबा महाकाल की सवारी गंतव्य के लिए निकली। गुदरी चौराहा, बक्शी बाजार, कहारवाड़ी होते हुए बाबा महाकाल की पालकी रामघाट पर पहुंची। यहां पर मोक्षदायनी मां शिप्रा के पावन जल से बाबा काजलाभिषेक हुआ। पूजन अर्चन करने के पश्चात सवारी पुन: रामघाट, मोड की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती मंदिर ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्रीचौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार, गुदरी बाजार होते हुए पुन: महाकाल मंदिर पहुंची।

5 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

उज्जैन में सावन सोमवार पर महाकाल की भव्य सवारी निकाली गई। जिसमें भगवान महाकाल ने भक्तों को दर्शन दिए। लगभग 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। बाबा महाकाल की तीसरी सवारी में भी नवाचार किए गए, पुलिस बैंड, आर्मी बैंड, होमगार्ड और निजी बेंड सवारी के दौरान साथ-साथ चले, रामघाट और दत्त अखाडे पर जब बैंड की प्रस्तुति हुई तो श्रद्धालु मंत्र मुग्ध हो उठे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशाअनुसार लगातार महाकाल सवारी में नए नवाचार किया जा रहे हैं। तीसरी सवारी में लोक नृत्य व बेंड की प्रस्तुति हुईञ इसी तरह चौथी सवारी में अन्य तरह के नवाचार किए जाएंगे। जनजातीय समूह द्वारा लोक नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। सवारी में घुड़सवार सशस्त्र पुलिस बल, होमगार्ड के जवान, भजन मंडली आदि आकर्षण का केंद्र रहे।

श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर में हैं 11वीं शताब्दी की प्रतिमा

हिंदू धर्म में सदियों से नागों की पूजा करने की परंपरा रही है। भारत में नागों के अनेक मंदिर हैं, इन्हीं में से एक मंदिर है उज्जैन स्थित नागचंद्रेश्वर का, जो भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में स्थित है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यह साल में सिर्फ एक दिन नागपंचमी (श्रावण शुक्ल पंचमी) पर ही दर्शनों के लिए खोला जाता है। ऐसी मान्यता है कि नागराज तक्षक स्वयं मंदिर में रहते हैं। श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर में 11वीं शताब्दी की एक अद्भुत प्रतिमा है, इसमें फन फैलाए नाग के आसन पर शिव-पार्वती बैठे हैं। कहते हैं यह प्रतिमा नेपाल से यहां लाई गई थी। उज्जैन के अलावा दुनिया में कहीं भी ऐसी प्रतिमा नहीं है। पूरी दुनिया में यह एकमात्र ऐसा मंदिर है, जिसमें विष्णु भगवान की जगह भगवान भोलेनाथ सर्प शय्या पर विराजमान हैं। मंदिर में स्थापित प्राचीन मूर्ति में शिवजी, गणेशजी और मां पार्वती के साथ दशमुखी सर्प शय्या पर विराजित हैं। शिवशंभू के गले और भुजाओं में भुजंग लिपटे हुए हैं। सर्पराज तक्षक ने शिवशंकर को मनाने के लिए घोर तपस्या की थी। तपस्या से भोलेनाथ प्रसन्न हुए और उन्होंने सर्पों के राजा तक्षक नाग को अमरत्व का वरदान दिया। मान्यता है कि उसके बाद से तक्षक राजा ने प्रभु के सान्निध्य में ही वास करना शुरू कर दिया। लेकिन महाकाल वन में वास करने से पूर्व उनकी यही मंशा थी कि उनके एकांत में विघ्न ना हो अत: वर्षों से यही प्रथा है कि मात्र नागपंचमी के दिन ही वे दर्शन को उपलब्ध होते हैं। शेष समय उनके सम्मान में परंपरा के अनुसार मंदिर बंद रहता है। इस मंदिर में दर्शन करने के बाद व्यक्ति किसी भी तरह के सर्पदोष से मुक्त हो जाता है, इसलिए नागपंचमी के दिन खुलने वाले इस मंदिर के बाहर भक्तों की लंबी कतार लगी रहती है। यह मंदिर काफी प्राचीन है। माना जाता है कि परमार राजा भोज ने 1050 ईस्वी के लगभग इस मंदिर का निर्माण करवाया था। इसके बाद सिंधिया घराने के महाराज राणोजी सिंधिया ने 1732 में महाकाल मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था। उस समय इस मंदिर का भी जीर्णोद्धार हुआ था। हर साल एक दिन मे लाखों लोग दर्शन लाभ लेते रहे हैं।

नरवर के समीप वृद्ध की हत्या करने वाला पकड़ाया

उज्जैन। नरवर थाना क्षेत्र में वृद्ध की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, नरवर क्षेत्र के ग्राम देवराखेड़ी के रहने वाले 60 वर्षीय श्रवण पिता जगन्नाथ चौधरी 22 जुलाई को उज्जैन से अपने घर लौट रहे थे लेकिन घर नहीं पहुंचे।

पुलिस को उनकी लाश नरवर बायपास पर बायो पेट्रोल पंप के समीप टायर की दुकान की बगल में पड़ी मिली थी। जिसका सिर और चेहरा पत्थर से कुचल दिया गया था। मामले में पुलिस हत्या प्रकरण दर्ज किया था। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में टीआई बल्लू सिंह मंडलोई ने शीघ्र ही खुलासा करने की बात कही। विदित हो कि पुलिस हत्या के तुरंत बाद ही हरकत में आ गयी थी और मामले में जांच तेज कर मुखबिर तंत्र को सक्रिया किया था।

गाली-गलौज कर वृद्ध से मारपीट

उज्जैन। तराना थाना क्षेत्र के ग्राम बघेरा में शराब के नशे में गाली-गलौज कर रहे दो लोगों को मना करना बुजुर्ग को भारी पड़ गया। दोनों ने बुजुर्ग को लात और मुक्कों से जमकर पीटा जिससे वह घायल हो गया। उसे तत्काल चरक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। 55 वर्षीय घायल का नाम मांगीलाल पिता भुवानजी निवासी ग्राम बघेरा तराना है। उसने बताया कि रविवार को गांव के ही रहने वाले जगदीश और बबूल शराब के नशे में उसके साथ गाली-गलौज कर रहे थे जब उन्हें गाली देने से मना किया तो दोनों ने मिलकर उसे पीटा दिया।

बायफ्रेंड के साथ पत्नी को देख भड़का पति

उज्जैन। कर्मचारी कॉलोनी निवासी प्रमोद मालवीय पर दिनदहाड़े पत्नी के बायफ्रेंड ने नुकीली चीज से हमला कर दिया। हमला उस वक्त हुआ जब प्रमोद अपनी पत्नी आरती को लेने ससुराल गया था और पता चला कि वह किसी युवक के साथ घूम रही है। कोतवाली पुलिस ने बताया कि प्रमोद पिता पर्वतलाल मालवीय गुना जिले के गर्ल्स कॉलेज में स्पोर्ट्स टीचर के पद पर पदस्थ हैं। प्रमोद अपनी पत्नी आरती को लेने नागेश्वर धाम ससुराल पहुंचा था। वहां उन्हें जानकारी मिली कि आरती किसी युवक के साथ बाहर गई है। इसके बाद प्रमोद अपने बेटे के साथ पत्नी को तलाशने निकले। बियाबानी चौराहे पर तीनों आमने-सामने हो गए। वहां पति-पत्नी के बीच जमकर कहासुनी हुई।

पत्नी ने बात नहीं की तो पति ने पी लिया एसिड

उज्जैन। नागझिरी थाना क्षेत्र के तिरुपति रेसिडेंसी में रहने वाले एक युवक ने पारिवारिक विवाद के चलते आहत होकर बाथरूम में रखा एसिड पी लिया। घटना के बाद परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसका उपचार जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, नीरज राठौर पिता राजूराम राठौर निवासी तिरुपति रेसिडेंसी, थाना नागझिरी पेशे से ड्राइवर हैं। उनकी पत्नी अर्चना राठौर ने बताया कि हम दोनो के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसके बाद से दोनों के बीच बातचीत बंद थी। आज सुबह नीरज ने घर के बाथरूम में रखा एसिड पी लिया। घटना की जानकारी लगते ही पत्नी अर्चना और बेटा तुरंत नीरज को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।

पौधों को वृक्ष बनाने का संकल्प लें :डॉ. नागर

उज्जैन। नागर ब्राह्मण युवा परिषद् व्दारा रचनात्मक कार्यों की श्रृंखला अंतर्गत नागर ब्राह्मण परिषद एवं महिला परिषद के सहयोग से एक पौधा इष्टदेव भगवान हाटकेश्वर के नाम की शुरुआत सावन माह में हरियाली तीज के पावन अवसर पर की।

एक पौधा (गमला सहित) अभियान के अंतर्गत समाज की ऊर्दुपुरा धर्मशाला में न्यास अध्यक्ष डॉ. जी.के. नागर के मुख्य आतिथ्य एवं प्रदेश महासचिव पं. हेमंत व्यास, उज्जैन नागर परिषद अध्यक्ष विजय शर्मा, उपाध्यक्ष नरेन्द्र नागर, मनीष मेहता, महेश भट्ट, लव मेहता, गिरीश मेहता एवं डॉ.ललीत नागर के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ किया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ संरक्षक डॉ. जीके नागर ने युवा सदस्यों को पौधों को वृक्ष बनने तक संरक्षण करने का संकल्प दिलाया। मध्य प्रदेश नागर ब्राह्मण परिषद के महासचिव समाजसेवी हेमंत व्यास ने कहा की प्रकृति जिसका हम दोहन करते हैं उसे पुन: संरक्षित करना हमारा कर्तव्य है। पौधारोपण के अंतर्गत बिल्वपत्र, नीम, पीपल आदि के पौधों का रोपण किया एवं साथ ही धर्मशाला परिसर को हरियाली से आच्छादित करने की द्रष्टि से गमलों में प्राकृतिक सौंदर्य के पौधों पुष्पों से आच्छादित पोधौ का रोपण किया। इस अवसर पर महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष प्रीति शर्मा एवं महासचिव सीमा प्रमोद नागर भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। अतिथियों का मोतियों की माला ओर दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत अध्यक्ष अमित नागर, महासचिव अतुल मेहता, यश नागर, अर्पित रावल, दीपक नागर, राजेश नागर, शुभम शुक्ला, डॉ अमित नागर, गौरव रावल, दीपक नागर, अक्षय नागर आदि ने किया। कार्यक्रम को डॉ. जी.के. नागर, पं. हेमंत व्यास, विजय शर्मा, लव मेहता आदि ने संबोधित करते हुए युवा परिषद् द्वारा आयोजित पौधारोपण के अनुकरणीय रचनात्मक कार्य की प्रशंसा करते हुए पौधों को वृक्ष बनने तक संरक्षण करने हेतु संकल्प दिलाते हुए हमेशा सहयोग प्रदान करने हेतु आश्वस्त किया। संचालन डॉ. ललित नागर ने किया एवं आभार अमित नागर ने माना।

महापौर का दौरा चक्रतीर्थ पर धूप, गर्मी, बारिश से बचाव होगा महापौर ने किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण

चक्रतीर्थ पर टैनसाइल फैब्रिक शेड का लोकार्पण शीघ्र किया जाएगा

नवभारत न्यूज

उज्जैन। चक्रतीर्थ पर महापौर मद की 76 लाख रुपए की राशि से शेड निर्माण कार्य नगर पालिक निगम द्वारा करवाया जा रहा है। उक्त निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है शीघ्र ही इसका भव्य लोकार्पण किया जाएगा ताकि शेड की सौगात यहां आने वाले नागरिकों को मिल सके। इस हेतु सोमवार को महापौर मुकेश टटवाल ने चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए शीघ्र कार्य पूर्ण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए गए।

चक्रतीर्थ पर आने वाले नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए उज्जैन नगर पालिक निगम ने महापौर मद से 76 लाख रुपए की राशि से 80 मीटर लंबे स्पेशल डोम शेड निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसका निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है शेष कार्य जल्दी पूरे किए जाएंगे।

महापौर ने बताया कि एयरपोर्ट की तर्ज पर टैनसाइल फैब्रिक शेड निर्माण का कार्य पूर्ण होने पर इसका भव्य लोकार्पण किया जाएगा। लोकार्पण पश्चात यहां आने वाले नागरिकों को गर्मी, धूप एवं बारिश से बचाव होगा। साथ ही चक्रतीर्थ की सुंदरता भी बढ़ेगी, साथ ही शेड निर्माण के लिए पूर्ण सुरक्षा एवं सावधानी रखी गई है पाइप लगाए जाने के लिए 6 फीट नीचे गड्ढे करते हुए पाइप लगाए गए हैं। साथ ही यह शेड सालों साल चलेगा इसमें किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आएगी।

निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य शिवेंद्र तिवारी, रजत मेहता, कार्यपालन यंत्री पीसी यादव, सहायक यंत्री डीएस परिहार, उपयंत्री प्रवीण वाडिया उपस्थित रहे।

आज होगी अंतरराष्ट्रीय कथक कलाकार जयत्रा दवे की प्रस्तुति

उज्जैन। पीपलीनाका रोड स्थित अति प्राचीन विश्व के एक मात्र अष्ट चरिंजीवी मंदिर बाबा गुमानदेव हनुमान गढ़ी पर ब्रह्मलीन ज्यो. पंचांगकर्ता पं श्यामनारायण व्यास की पावन पुनीत स्मृति में आयोजित श्री श्याम श्रावण महोत्सव में आज अंतरराष्ट्रीय कथक कलाकारा जयत्रा दवे कथक नृत्य की प्रस्तुति देंगी। पं चंदन श्यामनारायण व्यास ने बताया कि श्रावण महोत्सव के अंतर्गत आज 29 जुलाई मंगलवार को रात्रि 8 बजे कार्यक्रम प्रारम्भ होगा। जिसमें इंदौर की उभरती हुई कथक नृत्यांगना और गुरु डॉ. रागिनी मक्कड़ की शिष्या जयत्रा दवे अपनी एकल प्रस्तुति देगी। साथ ही उज्जैन कला योगिनी नृत्य संस्था की निर्देशिका वीणा व्यास के निर्देशन में उनकी शिष्याओं द्वारा समूह नृत्य किया जाएगा।